

श्रीर फिर भी वहां पर यात्रियों की बहुत भीड़ रहती है;

(ग) यदि हां, तो क्या वहां पर प्रती-शालय की व्यवस्था करने के लिये सरकार का विचार कोई कार्यवाही करने का है; श्रीर

(घ) यदि हां, तो कब ?

रेलवे मन्त्री (श्री जे० मु० पुनाचा) :
(क) जी, नहीं। यात्रियों के लिए छप्पर वाला एक प्रतीशालय है। गंगा नदी अपनी धारा बदलती रहती है, इस कारण स्थायी प्रतीशालय बनाना सम्भव नहीं है।

(ख) यह बिहार सरकार के साथ ठेके पर एक प्राइवेट घाट उतराई व्यवस्था है। जो मुंगेर घाट श्रीर मुंगेर के बीच संचालित होती है। रेलवे को इस बात की जानकारी नहीं है कि इस व्यवस्था में किनना यातायात होता है।

(ग) और (घ). भाग (क) के उत्तर को देखने हुए, मवाल नहीं उठता।

मुंगेर घाट से मुंगेर तक रेल सेवा की व्यवस्था

3387. श्री रामावतार शास्त्री : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पूर्वोत्तर रेलवे पर मुंगेर घाट से मुंगेर तक जाने के लिये रेलवे की अपनी कोई सेवा व्यवस्था नहीं है;

(ख) क्या यात्रियों को नदी से पार ले जाने के लिये नदी में श्री भगवती प्रसाद सिंह का एक निजी जहाज चलता है;

(ग) क्या इस गैर-सरकारी जहाज रानी कम्पनी ने जहाज को यात्रा का किराया 25 पैसे से बढ़ा कर 50 पैसे कर दिया है जिससे यात्रियों पर भार पड़ा है;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार अपनी रेल सेवा धारण करने का है तथा

इस कार्य पर कितना समय लगने की संभावना है; श्रीर

(ङ) यदि नहीं, तो ऐसा न करने के क्या कारण हैं ?

रेलवे मन्त्री (श्री जे० मु० पुनाचा) :

(क) जी हां, रेलवे की अपनी कोई व्यवस्था नहीं है।

(ख) जी हां।

(ग) जी हां, किराया बढ़ा दिया गया है।

(घ) इस घाट उतराई व्यवस्था को रेलवे द्वारा अपने अधिकार में लेने का विचार नहीं है।

(ङ) रेलवे द्वारा इस व्यवस्था को अपने अधिकार में लिये जाने का कोई कारण नहीं है।

Production of Khadi

3389. Shri Baburao Patel: Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) the value of khadi produced annually and the amount realised annually by the sale of khadi;

(b) the annual expense by way of staff salaries, maintenance of officers and showrooms of the All-India Khadi and Village Industries Board;

(c) the number of branches and shops and showrooms in India and the amount spent on their maintenance annually;

(d) the value of stock on hand which has remained unsold as on the 31st March, 1967, the value of stock that has deteriorated;

(e) whether it is a fact that the huge stock of khadi and yarn accumulated in various branches is posing a serious threat to this village industry; and